उपलब्धि | तिगांव तथा राजना में लगे उच्च क्षमता वाले ट्रांसफार्मर, 17 ग्रामों के 42 सौ उपभोक्ताओं होंगे लांभावित

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के पांढुरना जिलेवासियों को सदियों पुरानी लो-वोल्टेज की समस्या से मिलेगी मुक्ति

नवभारत न्यूज,
पांढुरना, 18अपैल, पांढुरना के ग्राम तिगांव तथा राजना में बार-बार विद्युत ट्रिप होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पडता रहा है, इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु विभाग द्वारा तिगांव के 33/11 के.व्हीं उपकेंद्र में 10 एमवीए तथा राजना के उपकेंद्र में 5 एमवीए का पावर टांसफार्मर लगाया गया है, जिससे अब इस क्षेत्र के ग्रामों के घरेलू तथा किसानों को बेहतर वोल्टेज और निर्बाध रूप से बिजली मिल सकेंगी।

प्रदेश के ऊर्जा तथा जिले के पालक मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर पांढुरना जिलेवासियों की सदियों पुरानी लो वोल्टेज की समस्या के स्थाई समाधान हेतू निरंतर प्रयास कर पांढुरना के ग्राम मांगुरली स्थित 33/11 के.व्हीं विद्युत उपकेंद्र मे जिले का सबसे पहला 10 एमवीए उच्च क्षमता वाले ट्रांसफार्मर का सफलतापूर्वक चार्ज कर चालू करने के बाद आज शनिवार को नगरीय सीमा से लगे ग्राम तिगांव के भी 33/11 के.व्ही विद्युत उपकेंद्र में जिले का दूसरा 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक चार्ज कर चालू कर दिया है,

जिससे अब ग्राम तीगांव सहित मांडवी, मोही, पीपल पानी, बोरगांव सहित इस क्षेत्र के कुल 8 गांवों के लगभग 2100 घरेलू एवं लगभग 900 किसान कृषि उपभोक्ताओं को लो विद्युत वोल्टेज की सस्याओं से निजात मिलने के साथ ही इन्हें अब निर्बाध रूप से बिजली सप्लाई मिलते रहेंगी।

इसी प्रकार विद्युत वितरण केंद्र राजना के 33/11 के.व्ही उपकेंद्र में भी 3.15 एमवीए से क्षमता बढ़ाकर यहा 5 एमवीए क्षमता का विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया। जिससे अब ग्राम राजना सहित, हेटी, घोघरी साहनी, टेमनी साहनी, रैयतवारी, वड्डामाल, सहित इस क्षेत्र के कुल 9 ग्रामों के लगभग 1242 उपभोक्ताओं को वर्षो से चली आ रहीं कम वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेंगी।

इन उच्च क्षमता वाले विद्युत ट्रांसफार्मरों को विभाग के कार्यपालन अभियंता वरूण सारस्वत के मार्गदर्शन में इनकी टीम के सहायक अभियंता राधेश्याम डावर, सहायक अभियंता पवन चौधरी, कनिष्ठ अभियंता कमलेश टेकाम, आशिष इरपाचे के नेतृत्व में सफलतापूर्वक लगाया गया।

श्री सारस्वत द्वारा बताया कि विभाग क निर्देशानुसार शीघ्र ही क्षेत्र के अन्य ओवरलोडेड सब स्टेशनों को चिन्हित कर वहां भी इसी प्रकार उच्च क्षमता वाले विद्युत ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे।

निर्माणाधीन शासकीय शराब दुकान वार्डवासीयों का विरोध

नवभारत न्यूज़
सौंसर 18 अप्रेल. रामाकोना में निर्माणाधीन शासकीय शराब दुकान का ग्रामीणों ने विरोध कर रहे वार्डवासियों ने दो दिन पूर्व एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।गांव के वार्ड 17 में शराब दुकान संचालित करने ठेकेदार द्वारा शेड तैयार किया जा रहा है। ग्रामीणों को इसकी जानकारी लगते ही इसका विरोध किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन को दिए ज्ञापन में कहा है कि जिस स्थान शराब दुकान संचालित करने निर्माण किया जा रहा है वहां रहवासी क्षेत्र है वहीं इसी स्थान से कुछ ही दूरी पर प्राथमिक और माध्यमिक शाला है। ग्रामीणों का यह भी कहना यही से गायमुख मंदिर का कच्चा रास्ता है। हर दिन यहां से छात्र, श्रद्धालु और ग्रामीण आवागमन करते हैं, जिन्हें परेशानियों का सामना करना होगा। उनका कहना है कि इसके पूर्व जो शराब दुकान संचारित होते आ रही है वह ग्राम के बहार ही थी लेकिन अब आवासीय क्षेत्र में होगी तो हम इसका विरोध करेंगे। ज्ञापन में चेतावनी दी है कि दुकान संचालन के लिए निर्माण को रोका जाए नहीं तो आंदोलन रास्ता अपनाना होगा। ज्ञापन सौंपने वार्ड के लोग उपस्थित थे।

मोमेटम कोचिंग सौंसर की छात्रा निकिता फरकसे प्रदेश की प्रविण्य सूची में तीसरे स्थान पर

नवभारत न्यूज
सौंसर 18 अप्रैल- माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 वी बोर्ड परीक्षा के परिणाम में मोमेटम इस्टीटयूट सौंसर का परिक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा. प्रदेश की प्राविण्य सूचि मे निकिता फरकसे ने तिसरा स्थान हासिल किया, वही जिले की सूचि मे प्रथम स्थान पर रही.

संस्थान के विक्रम घाटोड ने बताया कि, इस वर्ष की बोर्ड परिक्षा मे हमारी संस्थान के चार छात्रो ने 95 प्रतिशत अंक हासिल किये वही 9 छात्रो ने 90 प्रतिशत अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम गौराविन्त किया है. श्री घाटोड ने बताया कि, निकिता पिता लक्ष्मण फरकसे ने 99.40 प्रतिशत अंक लेकर प्रदेश की प्राविण्य सूचि मे तीसरा स्थान तथा जिले की सूची मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है. वही आर्यन निकाजू ने 96.40 प्रतिषत, धूवंशी कोन्डेकर 95.80 प्रतिशत, अनामिका पगारे 95 प्रतिशत, गौरव नाडेकर 94.80 प्रतिशत, चायंक धकाते 93.20 प्रतिशत, अनुष्का निम्बुलकर 92.80 प्रतिशत, विशाखा निकोसे 92 प्रतिशत, ऋषभ डेहरिया 90 प्रतिशत, हर्षद चिमोटे 89.80 प्रतिशत, सुहानी पोपटे 87.40 प्रतिशत, अर्पिता ठाकुर 84.40 प्रतिशत, अखिलेश गजभीये 82 प्रतिशत, जिया वाहणे 81.80 प्रतिशत अंक हासिल किया. श्री घाटोड ने सभी

बच्चो को सर्वोच्च अंक लाने पर बधाई देते हूए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए दी.

कम समय मे मोमेटम बना पालको की पहली पसंद

शहर के महात्मा ज्योतिबा फुले चौक मे संचालित मोमेटम इस्टीटयूट पालको की पहली पसंद बनते जा रहा है. बिते दो साल मे मोमेटम ने शत प्रतिशत रिजल्ट दिया है. वही प्रदेश की प्राविण्य सूची मे संस्थान का नाम आने से पालको मे संस्थान भरोसे पर खरा उतर रहा है. पालक लक्ष्मण फरकसे ने बताया कि, मेरी बेटी का प्रदेश की प्राविण्य सूची मे नाम आने की खबर विक्रम सर ने बताई मेरी बेटी को मोमेटम संस्थान के शिक्षको ने पढाई को लेकर समय समय पर मार्गदर्शन दिया है. उसी का परिणाम है कि, मेरी बेटी का नाम प्राविण्य सूची मे आया है. मोमेटम के सभी शिक्षको को बधाई देता हू और ऐसे ही बच्चो का उज्जवल भविष्य बनाने मे मेहनत करते रहे.

ताप्ती बैराज के भरोसे शहर की पेयजल सप्लाई, घोघरी डेम से छुड़वाना पड़ेगा पानी

बैतूल, 18 अप्रैल. पानी को लेकर शहर में धीरे-धीरे संकट के बादल छाने लगे है। हालात यह है कि अभी एक दिन के अंतराल में पानी की सप्लाई की जा रही है। जल्द ही पानी को लेकर नपा ने कोई ठोस योजना नहीं बनाई तो शहर वासियों को पेयजल संबंधी समस्याओं से जुझना पड़ सकता है। दरअसल, यह इसलिए भी कहा जा रहा है, क्योंकि शहर की पेयजल सप्लाई के लिए विवेकानंद वार्ड में स्थित फिल्टर प्लांट के समीप बने माचना एनीकट में पानी तली में पहुंच गया है। 15 फीट ऊंचे एनीकट में केवल 4 फीट पानी बचा है। शहर की इमरजेंसी जल आपूर्ति के लिए शहर की सीमा पर स्थित गंगूडोह स्टाप डेम में स्टोर पानी भी पूरी तरह खत्म हो गया है। इससे नगरपालिका के सामने जलसंकट खड़ा हो गया है। बता दे कि ताप्ती बैराज से 70 फीसदी और माचना से 30 प्रतिशत पानी लेकर शहर में सप्लाई किया जाता रहा है। पहले विवेकानंद वार्ड में माचना नदी पर स्थित एनीकेट ही शहर में सप्लाई का मुख्य स्रोत था,

शहडोल जिला सैनिक कल्याण संयोजक के पद पर नियुक्ति हुए वेटरन विलास आमने

नवभारत न्यूज़
सौंसर 18 अप्रेल. सौसर क्षेत्र के ग्राम पारडसिंगा निवासी वेटरन सूबेदार मेजर विलास आमने (सेवानिवृत) को आज इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन भारत टीम सौसर ने इनकी उपलब्धि पर आज आई वी ओ भारत सौसर के कार्यालय में सभी पूर्व सैनिकों में मिलकर इनका आज स्वागत किया और इनके दुबारा से अपनी सैन्य सेवा से सेवानिवृत हुए सैनिकों कल्याण के लिए सेवा करने का मौका मिला इस लिए आमने खुश है

कि हम पुन: सेवा करने के लिए तैयार है साथ ही उनका उद्देश्य भी रहा कि ऐसा ही कुछ करे जिससे हम जनता और सैनिकों की सेवा जारी रहे। आमने को वेटरन प्रदीप कलसकर ने आई वी ओ भारत राष्ट्रीय टीम मध्य प्रदेश राज्य टीम की ओर से दुबारा से सेवा देने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी साथ ही सथ ही मध्य प्रदेश में सौसर क्षेत्र का नाम प्रथम आए और आप वहां पर कार्य अच्छे से करे जिसकी प्रतिक्रिया अच्छी रहे। वेटरन निरंजन कुमार मुलकर ने उज्वल भविष्य की कामना की और जिला पांढुर्णा की टीम की ओर से शुभकामनाएं दी, आज के कार्यक्रम में रत्नाकर अंबडकर, अरुण कुमार धुर्वे, राजेश्वर परतेती, विजय सिरसे, सेवारत सैनिक मनोज कुमार धूढे युवा विशाल वाघ आदि उपस्थित रहे।

नागपुर में बनेगा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ

सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण को मिलेगा बढ़ावा

51 एकड़ में विकसित होगा
170 करोड़ का प्रावधान
50 करोड़ रुपये की संचित निधि मंजूर

नागपुर, महानगर संवाददाता- राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ' (आईआईपीएच) नामक स्वतंत्र संस्था की स्थापना को मंजूरी दे दी है. यह संस्था दिल्ली स्थित पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से नागपुर में स्थापित की जाएगी.

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी शासन निर्णय के अनुसार बदलती सार्वजनिक स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि तथा सभी स्तरों पर नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता है. इसके साथ ही बीमारियों के रोकथाम, मृत्यु दर और बीमारियों में कमी लाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना भी जरूरी है. सरकार का मानना है कि एक समर्पित सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था राज्य में शिक्षा, अनुसंधान, योजना, निगरानी और मूल्यांकन जैसे क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग प्रदान करेगी. इससे स्वास्थ्य विभाग के मानव संसाधन को सशक्त बनाने और सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलेगी.

- मिहान-खापरी में बनेगा संस्थान

यह संस्थान नागपुर के मिहान-खापरी क्षेत्र में 51 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा. इसके लिए राज्य सरकार ने 120 करोड़ रुपये की पूंजीगत निधि और 50 करोड़ रुपये की संचित निधि मंजूर की है. कंपनी अधिनियम के तहत स्थापित होने वाली इस संस्था में राज्य सरकार, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की भागीदारी रहेगी.

- मानव संसाधन विकास, कौशल वृद्धि पर फोकस

राज्य स्तरीय समर्पित सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था के रूप में यह संस्थान विभाग के कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि, कौशल विकास और नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर काम करेगा. इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने में सहायता मिलने की उम्मीद है. हालांकि इस पहल का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन इसके वित्तीय प्रबंधन को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के अनुसार राज्यों को अपने कुल बजट का 8 प्रतिशत स्वास्थ्य पर खर्च करना चाहिए, जबकि महाराष्ट्र वर्तमान में लगभग 4 प्रतिशत ही खर्च कर रहा है.

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने किया खरीदी केन्द्र का निरीक्षण

बैतूल। जिले में रवि उपार्जन वर्ष 2026 -27 की खरीदी प्रारंभ होते ही आपूर्ति विभाग के आला अफसरो ने भी खरीदी केंद्र पर पहुंचकर किसानों को संचालकों द्वारा केदो पर दी जाने वाली सुविधाओं के साथ-साथ केंद्र प्रभारी से भी खरीदी की जानकारी ली है, वहीं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ममता सिरसाम ने आठनेर तहसील के एक दर्जन से अधिक केदो पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जहां कमियां पाई गई, उन्हें हिदायत भी दी गई। अष्टविनायक वेयरहाउस पर पहुंचकर उन्होंने खरीदी केंद्र प्रभारी मंचित चढ़ोकार एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति प्रबंधक भोजराव गायकवाड, सर्वेयर महेंद्र लोहारे को दिशा निर्देश दिए एवं खरीदी केंद्र पर किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं का भी जायजा लिया।

गरीबों के लिए सहारा बनी दीनदयाल रसोई, पांढुर्णा में सस्ती थाली से मिल रहा पोषण

वृद्ध एवं जरूरतमंदों को मिला सम्मानजनक जीवन, नियमित मिल रहा ताजा भोजन

नव भारत न्यूज,
पांढुरना, 18 अप्रैल, स्थानीय नगरपालिका परिषद द्वारा नगर के बस स्टैंड के यात्री प्रतीक्षालय से लगे कक्ष में तीन वर्ष पूर्व 05 सितंबर 2023 से दीनदयाल रसोई का संचालन किया जा रहा है।

दीनदयाल रसोई में प्रतिदिन भोजन कर रहे शामराव कुर्वे ने बताया कि उनकी आयु लगभग 71 वर्ष है तथा उनके पास आय का कोई स्थायी साधन नहीं है। वे प्रति माह वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर अपना जीवन यापन करते हैं। परिवार में कोई अन्य सदस्य नहीं होने के कारण वे अकेले निवास करते हैं। ऐसी परिस्थिति में श्री शामराव कुर्वे के लिए दीनदयाल रसोई एक बड़ा सहारा बनी है, जहां वे प्रतिदिन भोजन करते हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें यहां प्रतिदिन समय पर पौष्टिक एवं ताजा भोजन प्राप्त होता है, जिससे उनका जीवन काफी सहज और सुरक्षित हो गया है। दीनदयाल रसोई के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को मात्र 5 रुपये प्रति थाली की दर से प्रतिदिन लगभग 250 व्यक्तियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए राहत प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर भी दे रही है। रसोई के संचालन का समय-समय पर अनुश्रवण समिति के सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण किया जाता है, जिससे व्यवस्थाओं की गुणवत्ता बनी रहती है। पांढुर्णा क्षेत्र में दीनदयाल रसोई के संचालन से ऐसे गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को, जिनके पास भोजन करने हेतु पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, सस्ती दर पर भरपेट, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध हो रहा है, जो इस योजना की सफलता को दर्शाता है।

कार्रवाई | हाई-टेक सिस्टम से स्मार्ट विद्युत मीटरों की कि जा रहीं निगरानी

विद्युत चोरी करते 23 उपभोक्ताओं को रंगे हाथों पकड़ इन पर दर्ज किया प्रकरण

नवभारत न्यूज,
पांढुरना, 18अपैल, बिजली चोरी रोकने विभाग द्वारा चलाए जा रहे सतर्कता अभियान के तहत विशेष टास्क फोर्स द्वारा अब तक कुल 23 उपभोक्ताओं को चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाहीं की जा रहीं है, वहीं शहरी क्षेत्र में लगाए गए स्मार्ट विद्युत मीटरों की हाई-टेक सिस्टम से निगरानी की जा रहीं है।

चोरी पकड़ने विशेष टास्क फोर्स टीम गठित:

कार्यपालन अभियंता वरूण सारस्वत द्वारा बताया कि बिजली चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाते हुए राजस्व हानी को न्यूनतम स्तर पर लाने के मुख्य उद्देश्य से विभाग अप्रैल माह में सतर्कता पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है, प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तरह ही पांढुरना संभाग में भी इस अभियान के तहत सभी 10 विद्युत वितरण केंद्रों में विशेष टास्क फोर्स टीम का गठन किया।

23 उपभोक्ताओं को चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा:

इस टास्क फोर्स टीम द्वारा प्रत्येक गांव की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिन्होंने तकनीकी रणनीतियों के तहत उपभोक्ताओं की सर्विस लाइन की सूक्ष्मता से जांच कर केबल काटकर या मीटर से पहले अवैध टैपिंग के जरिए की जा रहीं रहीं विद्युत चोरी को पकडा, इनके द्वारा कि गई सघन चैकिंग के चलते ही क्षेत्र के विभिन्न गांवों के कुल 23 लोगों को अवैध रूप से विद्युत चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़े गए है, अब इनके खिलाफ विद्युत अधिनियम 2023 की धारा 126,135 एवं 138 के तहत केस दर्ज किए जा रहे है।

स्मार्ट मीटरों की हाई-टेक निगरानी:

श्री सारस्वत द्वारा बताया कि इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र में लगे स्मार्ट विद्युत मीटरों की हाई-टेक सिस्टमसें निगरानी की जा रहीं है। विभाग द्वारा विशेष रूप से उन मीटरों को चिन्हित कर रहा है, जिनके लोड प्रोफाइल में अचानक गिरावट आई है या जो ऑटोमेटिक सिस्टम टेम्पर अलर्ट जनरेट कर रहे है।

विभाग का उद्देश्य :

श्री सारस्वत ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के स्मार्ट मीटरों एवं ग्रामीण अंचलों की शत-प्रतिशत सर्विस लाइनों का भौतिक सत्यापन करना है। वहीं मीटर बाईपास की घटनाओं को शून्य पर लाकर हम न केवल राजस्व हानि को रोकेंगे बल्कि उन ईमानदार उपभोक्ताओं के हितों की भी रक्षा करेंगे जो नियमित रूप से बिजली बिल की राशि का भुगतान करते है।

विभाग की अपील

विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ता, आम जनता से अपील की है कि वे बिजली चोरी जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रहें और विभाग की इस मुहिम में सहयोग करें।

सीएमएचओ द्वारा विभागीय समीक्षा बैठक लेकर लापरवाही पर जताई नाराजगी

नव भारत न्यूज
पांढुरना, 18 अप्रैल, नगर जिला मुख्यालय के शासकीय चिकित्सालय की लगातार मिल रहीं शिकायतों पर जिला कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देशानुसार आज सिविल अस्पताल पांढुर्णा में डॉ. नरेश गोन्नाड़े (सीएमएचओ) एवं डॉ. दिपेन्द्र सलामे (सीबीएमओ) द्वारा मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक के दौरान गर्भवती पंजीयन, सिकल सेल जाँच, टीबी स्क्रीनिंग, आईडीएसपी रिपोर्टिंग तथा सार्थक ऐप के माध्यम से उपस्थिति की स्थिति का आकलन किया गया। लापरवाही एवं कम उपलब्धि वाले चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों के अधिकारी/कर्मचारियों पर घोर नाराजगी व्यक्त की गई तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।

बैठक में डॉ. प्रमोद वासनिक, डॉ. राहुल नाग, डॉ. एच.आर. मलारिया, मनीष सिंह (आईएचआईपी समन्वयक), सत्यपाल जादौन, रविंद्र पराडकर (बीपीएम), सुरेश कुमार टेकाम (बीईई), अजय तिवारी (बीसीएम), प्रदुम्न बिहारे (सीपीएचसी सलाहकार) सहित समस्त मैदानी कर्मचारी उपस्थित रहे।